सरकार सुविधा मुहैया कराने में असमर्थ है। एक तरफ किसान धान बेचने के लिए परेशान है, तो दूसरी ओर अगली फसल के लिए खाद भी उन्हें नहीं मिल रही है।

अतः केन्द्र सरकार से आग्रह है कि बिहार राज्य में धान खरीद हेतु पर्याप्त क्रय-केन्द्र, भंडारण क्षमता की स्थापना और किसानों को पर्याप्त खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाए।

Demand for resolving the problems being faced by large number of villages due to Askot Musk Deer Sanctuary in Uttarakhand

श्री महेन्द्र सिंह माहरा (उत्तराखंड): महोदय, पिथौरागढ़ जनपद भारत के उत्तराखंड राज्य के हिमालयी क्षेत्र में बसा हुआ है। जनपद की सीमाएं जहां एक ओर चीन व तिब्बत से मिलती हैं, वहीं दूसरी ओर नेपाल से मिली हुई हैं।

हमारे देश में कस्तूरा मृग हिमालयी क्षेत्र में 9000 फीट की ऊंचाई से ऊपर वाले पर्वतीय श्रृंखलाओं में पाए जाते हैं। वर्तमान समय में इस दुर्लभ प्रजाति कस्तूरा मृग के संरक्षण की आवश्यकता है। उसके संरक्षण हेतु भारत सरकार द्वारा अस्कोट कस्तूरा मृग अभ्यारण्य का गठन किया गया है, जिसमें पिथौरागढ़ की तीन तहसीलों, डीडीहाट, धारचूला व मुनस्यारी की घनी आबादी वाले 111 राजस्व गांव, जो 3000 से 4000 फीट की ऊंचाई पर बसे हुए हैं, को भी सम्मिलित किया गया है।

मान्यवर, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि अस्कोट कस्तूरा मृग अभ्यारण्य बनाते समय तत्कालीन अधिकारियों द्वारा इन कस्तूरा मृग के बारे में यह जानकारी हासिल नहीं की गई कि कस्तूरा मृग कितनी ऊंचाई पर पाए जाते हैं। आज अस्कोट कस्तूरा मृग अभ्यारण्य बनने के बाद 111 राजस्व गांवों के लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है, 3000 से 4000 फीट की ऊंचाई पर रहने वाले लोगों के अपने हक़-हकूक खत्म हो गए हैं, ग्रामीणों के गोचर, पनघट बंद हो गए हैं, सड़क, मोटर-मार्ग एवं बिजली-पानी की योजनाएं लड़खड़ा गयी हैं और केन्द्र से मिलने वाली धनराशि का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है। आज सम्पूर्ण विकास में विराम लगने से क्षेत्रवासियों में निराशा तथा भयंकर आक्रोश पैदा हो गया है, स्थिति विस्फोटक बनी हुई है और सामरिक दृष्टि से यह जनपद बहुत संवदेनशील है।

अतः इस सदन के माध्यम से मैं अनुरोध करना चाहता हूं कि जनपद के 111 राजस्व गांवों को अभ्यारण्य से मुक्त किया जाए, ताकि इन क्षेत्रों में विकास कार्य प्रारंभ हो सकें।

Demand for taking concrete steps to enhance storage facility for foodgrains in the country

SHRI BALWINDER SINGH BHUNDER (Punjab): Sir, this year particularly, India is facing a severe shortage of storage facility for foodgrains because several States have registered record growth of foodgrains upto 100 per cent. There is